11-09-2019

वन अनुसंधान संस्थान परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

आज दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को वन अनुसंधान संस्थान परिसर में स्थित **वन शहीद स्मारक** के प्रांगण में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया गया। यह दिवस वनों तथा वन्यजीव की सुरक्षा हेतु अपने जीवन का बलिदान करने वाले वन रक्षकों की याद में मनाया गया।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डा0 एस0सी0 गैरोला, वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक श्री अरूण सिंह रावत, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक श्री ओमकार सिंह, सुप्रीम कोर्ट मानीटरिंग कमेटी के सचिव श्री एम0सी0 घिल्डियाल, रीजनल कार्यालय के एडीशनल पी0सी0सी0एफ0 श्री पंकज अग्रवाल मौजूद थे।

वन शहीद दिवस के इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण, केन्द्रीय राज्य वन प्रशिक्षण अकादमी के टेªनीज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थी, रीजनल आफिस के अधिकारी, कर्मचारी, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वन शहीदों की याद में दो मिनट के मौन के साथ सम्पन्न हुआ।

11-09-2019

National Forest Martyrs Day observed at FRI

To commemorate foresters who had laid down their lives to protect forests and wildlife, National Forest Martyrs Day was observed today on 11 September, 2019 at Forester Memorial, Brandis Road, Forest Research Institute, Dehradun campus. Dr S.C. Gairola, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education; Sh. Arun Singh Rawat, Director, Forest Research Institute; Sh. Omkar Singh, Director, Indira Gandhi National Forest Academy; Sh. M.C. Ghildiyal, Secretary, Supreme Court Monitoring Committee; Sh. Pankaj Aggarwal, APCCF, Regional Office, Dehradun, Senior Forest officials, Scientists and employees of ICFRE & FRI paid floral tributes on the foresters memorial at FRI to honour and remember all men and women who have given the ultimate sacrifice for forests and wildlife. National Foresters Martyrs Day was also attended by a large number of employees from ICFRE and FRI, IGNFA IFS Probationers, CASFoS trainees. A two-minute silence was observed in memory of the martyr's ends.